

पाठ-7 स्वतंत्रता का महत्व लिखित प्रश्नोत्तर



CLASS: V
SESSION NO : 4
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER:7
TOPIC: स्वतंत्रता का महत्व
SUB TOPIC: लिखित प्रश्नोत्तर

CHANGING YOUR TOMORROW

शिक्षण उद्देश्य

लिखित प्रश्नोत्तर द्वारा लेखन कौशल में सुधार करना
तथा विषय संबंधित ज्ञान दृढ़ करना ।

ग) मम्मी के जाने के बाद क्या घटना घटी ?

उ . मम्मी के जाने के बाद राधा बाथरूम से निकली तो कमरे को बाहर से बंद पाया। उसे डर तथा घुटन महसूस होने लगी और वह रोने लगी।

घ) पापा ने राधा का दिल बहलाने के लिए क्या किया?

उ. पापा ने राधा का दिल बहलाने के लिए उसे बाजार ले जाकर उसके मन पसंद की गुड़िया और फ़ल दिलाया।

ङ) राधा ने चिड़िया को आज़ाद क्यों कर दिया था ?

उ राधा को खुद के कमरे में कैद रहने पर स्वतंत्रता का महत्त्व समझ आ गया। इसलिए उसने चिड़िया को आज़ाद कर दिया।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) कहानी का मूलभाव विस्तारपूर्वक लिखिए।

उ. इस कहानी का मूलभाव है कि जीवजंतु हमारी प्रकृति का एक विशेष हिस्सा हैं। बेजुवान होते हुए भी वे हमारे कई उपकार करते हैं। मनुष्य के समान ये भी कैद में रहना पसंद नहीं करते। चाहे कितनी भी सुविधाएँ मिले परंतु कैद में रहना कोई नहीं चाहता। स्वतंत्रता सबका जन्मजात अधिकार है। इसलिए हमें किसी को कैद करके नहीं रखना चाहिए।

ख) कहानी का शीर्षक है 'स्वतंत्रता का महत्व'

इसका क्या अर्थ है? इस कहानी का कोई और शीर्षक रखना हो, तो आप इसका क्या शीर्षक रखेंगे ?

उ. कहानी का शीर्षक 'स्वतंत्रता का महत्व' इसका यह अर्थ है कि यह कहानी जीवन में आज़ादी की आवश्यकता को दर्शा रही है। स्वतंत्रता सभी प्राणियों का जन्मजात अधिकार है। इस कहानी में पिंजरे बंद चिड़िया के कष्ट को राधा ने स्वयं कमरे में बंद रहने पर महसूस किया है और उसे आज़ादी का महत्व पता

चला है। इस कहानी का कोई और शीर्षक रखना हो तो हम इस प्रकार रख सकते हैं- 'हम आज़ाद हैं' 'चिड़िया की आज़ादी', 'सबसे कैद न करो' आदि ।

भाषाज्ञान

१. 'पेड़ पर सुंदर चिड़िया बैठी है'। इस वाक्य में 'सुंदर' शब्द चिड़िया की विशेषता बता रहा है। आप भी उचित विशेषता वाले शब्द, नीचे लिखे शब्दों में से चुनकर गोलाकार आकृति में लिखिए। (काला, चौकोर, चालाक, खूबसूरत)

काला - बादल

मोटी - बिल्ली

खूबसूरत - लड़की

चौकोर - डिब्बा

चालाक - लोमड़ी

2. 'पर' का अर्थ है – पराया, दूसरा या अन्य और 'स्व' का अर्थ है अपना। 'पर' से शब्द बने हैं - परतंत्र। परोपकार, परदेस, परलोक आदि। इस सभी शब्दों में 'पर' उपसर्ग इन्हीं अर्थों में प्रयुक्त हुआ है। इसी प्रकार 'स्व' उपसर्ग से भी उसी के आधार पर शब्द बनाए गए स्वदेश, स्वस्थान, स्वभाव आदि।

3. कभी – कभी दो भाषाओं से मिलकर भी शब्द बन जाते हैं। ऐसे शब्दों को संकर शब्द कहा जाता है।

जैसे- रेलगाड़ी = रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिंदी)

वर्षगाँठ = वर्ष (संस्कृत) + गाँठ (हिंदी)

उड़नतश्तरी = उड़न (हिंदी) + तश्तरी (फ़ारसी)

ऐसे कुछ शब्द लिखिए –

- रेलयात्री
- किताबघर
- पूँजीपति

शिक्षण उद्देश्य

लिखित प्रश्नोत्तर द्वारा लेखन कौशल में सुधार आएगा
तथा विषय संबंधित ज्ञान दृढ़ होगा ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

